02 | hindustantimes

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI THURSDAY, FEBRUARY 25, 2016

# htspotlight HARYANA SIMMERS

### **DELHI HIT**

## After Munak whammy, pollution to hit supply

TROUBLE DJB suspects sewer water contaminating supply to Wazirabad pond

NEW DELHI: Just when Delhi was slowly beginning to tide over a crippling water shortage triggered by the damage to the Munak canal by Jat protestors in Haryana, the rising pollution level in one of the water reservoirs is threatening to aggravate the crisis in the capital.

After a day of decent water supply, the Delhi Jal Board fears the crisis may return with ammo-nia levels in the Wazirabad pond expected to rise. It appealed to residents of north and central Delhi to save water for Thursday

The board suspects that Drain 8, which supplies water to the Wazirabad pond, is being contaminated by sewer water because of which the pollution level is rising

The Wazirabad pond sup-plies water to the Wazirabad, Chandrawal and Okhla water treatment plants, which have an output of 340 million gallons

The Capital has been grappling with a severe water crisis

Own of its water from Haryana.

Dwarka, which has been surviv



The Capital has been grappling with a severe water crisis for the last

for the last four days, ever since ing on water tankers for the past
Jat protesters demanding quota three days, is likely to see piped in government jobs, damaged the Munak Canal in Haryana.

The DJB said the damage to the canal was extensive and would take at least 15 days to repair. Debris was cleared from the damaged part on Wednesday Delhi gets

water supply in the morning. "Tankers diverted from differ-

ent areas will now supply water to Dwarka. From Wednesday. Dwarka will get water every alternate day," said DJB chairperson, Kapil Mishra. Water tankers made 900 trips across the city on

water treatment plants were working on Wednesday evening. The Dwarka Water Treatment Plant. with a capacity of 80 MGD, was the only one not functional.

On Wednesday, water was supplied to several parts of the Capital for the first time in three lays. Though Dwarka continued to be serviced only by tankers, other ts of west Delhi received some vater on Wednesday evening.

In the morning, residents of west Delhi claimed that water had been supplied for around 15 very dirty and could not be used. Central and north Delhi got water for around 30 minutes in

the morning. On a normal day, Delhi distributes 900 million gallons of water daily On Wednesday, more than 700 MGD was made available in the to witness long lines wherever the tankers went, with residents of Dwarka and west Delhi queuing up and filling water in any utensil

## **TANKER PRICES** GO UP TO ₹12,000

NEW DELHI: The desperation of residents in west Delhi has become a business opportunity for private

Taking advantage of the acute shortage of water in the west Delhi area, private tankers are being sold for as much as ₹10, 000 for 12,000 litres of water

In Janakpuri C-I block, residents said they were buying a 5,000 litre tanker for ₹8,000 instead of the ₹3,000 that they paid till a few

days ago.
"The DJB has failed to send us any relief. The RWA pooled in money and called for a private tanker. But the prices for such tankers have rocketed," said Manoj Mishra, a resident of the area.

anything between ₹4,500 to ₹5,500 for a 3,000 litre tanker, which earlier cost ₹1,500 to ₹2,000.

Vasudev Kumar, a private tanker supplier, said his business was booming, "Our work has increased as has the water prices. On a usual day my drivers earlier made three to four rounds. But now the number of rounds have doubled," he said. Panicked residents are also start

ing to hoard water with people often picking up fights to save the pre

ment when asked about the

aged Munak Canal has become

a major problem for residents

across the city with west Delhi

and Dwarka being the worst

affected.

In the last five days, the dam-

The part of Munak Canal that was damaged by the Jat quota agitators.

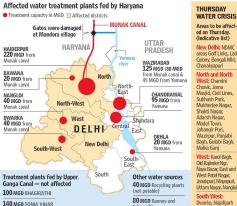
RAVI CHOUDHARY/H

t: Chandni

#### **HOW YOUR WATER FLOWS**

Under normal circumstances, Delhi gets 400 MGD water from Munak Canal, which is a major source of water for the national capital





80 MGD Ranney and 140 MGD SONIA VIHAR

MGD: MILLION GALLONS A DAY, 1 MGD = 3785411.8 LITRES

## Water scarce but overflows at pumping stations



■ Water was being wasted at the Janakpuri-D block filling station on Wednesday, SAUMYA KHANDEIWAL/ HT PHOT SAUMYA KHANDELWAL/ HT PHOTO

NEW DELHI: The city may be going through a severe water crisis but the Delhi Jal Board's water pumping stations continue to witness massive and mindless wastage of water every day.

On Wednesday, Delhi Jal Board's water pumping station in Janakpuri-D block was a picture that was heavily in contrast

to the parched colonies around it. The entire premise of the filling station was soaked in water parked beneath pipes for several

most of them. The slits and tears n pipes also added to the gallons of water that was being wasted.

"We try to ensure minimum waste while filling water into tankers However we cannot entirely avoid water from spilling," said an official from the

queue to get filled.

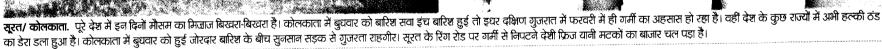
When HT did a spot check, a people have been buying water at heavily inflated prices as similar situation was also seen in the Dwarka filling station where DJB tankers have been unable a tanker stood under the filling pump for at least 10 minutes with no one stopping the water supply or letting the other tankers in the

to reach them.

The jal board, however, has assured that such wastage at pumping stations will be

# कोलकाता में बारिश, दक्षिण गुजरात में गर्मी





कोलकाता. बुधवार को बादलों ने महानगर को तर कर दिया। एक सप्ताह से मई और जून की गर्मी का अहसास कराने के बाद बुधवार को महानगर की आबोहवा खुशनुमा हो गई। इसके साथ ही मौसम में बारिश का रिकार्ड भें दूट गया। बुधवार को 39 मिलीमीटर बारिश हुई जो कि इस मौसम में अब तक का रिकार्ड है। इससे पहले दिसम्बर में 1 मिलीमीटर, जनवरी में 0.5 मिलीमीटर और फरवरी में इससे पहले 3 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई थी। बुधवार को हुई बारिश ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए।

नई दिल्ली . गुरुवार . 25.02.2016

सूरत. शहर का तापमान बुधवार को भी 35 डिग्री दर्ज किया गया। दो दिनों से तंज धूप के चलते लोगों में पंखे-एसी चलाए। बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया है। मंगलवार को भी तापमान क्रमशः 35.4 डिग्री और18.3 डिग्री **दर्ज किया** गया था। न्यूनतम तापमान भी बढ़ने के कारण रात में भी गर्मी लग रही है।

# सरकारी पानी से सिंचाई

### तहसील परिसर में विरोध-पदर्शन

शाहपुरा @ पत्रिका. सरकारी जलस्रोतों से फसल सिंचाई का आरोप लगाते हुए वार्ड 25 के लोगों ने तहसील परिसर में विरोध पदर्शन किया। उन्होंने तहसीलदार कैलाश नायक को एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। तहसीलदार ने जलदाय अधिकारियों को दुरभाष पर जलस्रोत और पाइप लाइनों की जांचकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने और प्रभावित ढाणियों में पर्याप्त जलापतिं करवाने के निर्देश दिए। तब जाकर ग्रामीण शांत हुए। वार्ड पार्षद विमला देवी के नेतत्व में पहुंचे लोगों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप भी लगाया है। पार्षद ने बताया कि वार्ड क्षेत्र की अनेक ढाणियों में जलापूर्ति तीन



शाहपुरा तहसीलदार को ज्ञापन देती वार्ड पार्षद व अन्य।

माह से प्रभावित हो रही है। लोगों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है। सुबह होते ही उन्हें पेयजल की चिंता सताने लग जाती है। इससे बाशिंदों की दिनचर्या पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ढाणियों में तिमया में बनी बड़ी टंकी से जलापूर्ति होती थी, लेकिन बीते तीन माह से कुछ लोग सरकारी पानी को सिंचाई के उपयोग में ले रहे हैं। ऐसे में आगे की ढाणियों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है।(का.सं.)

#### यहां गहराया जल संकट

ढाणी तिमयावाली, ढबासावाली, ढेरवाली, बक्सीरामवाली, बछण्डावाली, शिवसागर, भानीरामवाली, गोरावाली ढाणी में जल संकट गहराया हुआ है। ज्यादा समस्या तो पशुओं की बनी हुई वार्ड-25 के लोगों ने जलापूर्ति प्रभावित होने की शिकायत की है। जलदाय अधिकारियों को जलापूर्ति सुचारू करने के निर्देश दे दिए हैं।

कैलाश नायक, तहसीलदार, शाहपुरा।

फसल सिंचाई की जानकारी नहीं है। मिलीभगत का आरोप निराधार है। फसल सिंचाई मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

**खैलेन्द्र कुमार गुप्ता,** सहायक अभियंता, जलबाय विभाग शाहपुरा।

है। दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है।

#### फिर भी दे रहे बिल

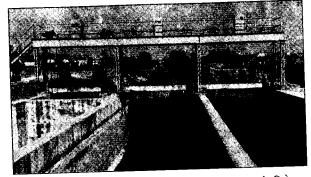
आक्रोशित लोगों ने बताया कि ढाणी में तीन माह से जलसंकट है। इसके बावजूद भी उन्हें बिल जमा करवाने पड़ रहे हैं। जलदाय अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया जा चुका है।

# दिल्ली में पानी की किल्लत से हा

आंशिक तौर पर चल रहे हैं प्लांट, डीजेबी का कम पानी के इस्तेमाल पर जोर

नर्ड दिल्ली, (ब्यूरो): मुनक नहर से कुछ हद तक पानी मिलने के बाद दिल्ली के कुछ इलाके में पानी आपूर्ति शरू हुई है, मगर अभी भी ज्यादांतर क्षेत्र ऐसे हैं जहां पानी के लिए जबरदस्त मारामारी चल रही है। डीजेबी के अनुसार वजीराबाद जलाशय में अमोनिया के घटते स्तर के कारण वजीराबाद, चन्द्रावल तथा ओखला जल उपचार संयंत्र आंशिक तौर पर कार्य कर रहे हैं. जिससे उत्तर दिल्ली, मध्य दिल्ली, नई दिल्ली नगर पालिका क्षेत्र, दक्षिणी दिल्ली के कुछ भाग तथा पश्चिमी दिल्ली के कुछ पॉकेटों में पानी की उपलब्धता में सहायता मिली है।

किन्तु वजीराबाद जलाशय के जल स्तर में कमी के कारण संयंत्र अपनी पूर्ण क्षमता पर नहीं चल रहे हैं। दिल्ली के पश्चिमी भाग में कैरियर लाइन्ड चैनल के क्षतिग्रस्त होने के कारण जल उपलब्धता कम है। हालांकि दिल्ली सबब्रांच में पानी छोड़ दिया गया है, परंतु कैनाल में कुल 80 मिलियन गैलन पानी 580 मिलियन गैलन दैनिक के स्थान पर छोड़ा गया है। डीजेबी के अनुसार बुधवार सुबह पश्चिमी दिल्ली के भागों में पाइप लाइन से जल आपूर्ति की संभावना है। हालांकि द्वारका क्षेत्र में पानी की आपूर्ति सबसे अधिक



## पश्चिमी दिल्ली के कुछ पॉकेट्स में पानी उपलब्ध

प्रभावित हुई है। इधर डीजेबी टैंकरों के माध्यम से क्षेत्र में जल आपूर्ति करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन वह ऊंट के मुंह में जीरे के सामान है। पानी की किल्लत के कारण लोगों को खरादने पड़ रहे हैं। टैंकर मंगाने के लिए लोग डीजेबी के हेल्पलाइन पर फोन कर-कर के थक चुके हैं, मगर नतीजा कुछ नहीं निकल रहा है। उत्तरी, पश्चिमी व बाहरी दिल्ली में जबरदस्त पानी की जबरदस्त किल्लत चल रही है। प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में वसंत विहार, वसंत

एन्कलेव, वेस्टएंड, आनंद निकेतन, शान्ति निकतेन, लाडो सराय, साध नगर, एयरपोर्ट अथोरिटी आफ इंडिया, पालम, द्वाराक, राजनगर, महावीर नगर-1, 2 व 3, इन्दिरा पार्क, सीतापुरी, उत्तम नगर ग्रुप आफ कालोनी, डाबरी, मंशाराम पार्क, मटियाला, बपरोला, मधु विहार, जनकपुरी, विकासपुरी, लाजवंती गार्डन, नारायणा, इन्द्राप्री, कैशोप्र एवं किराडी, बलवीर विहार, अमन विहार, अवंतिका, रोहिणी आदि क्षेत्र। द्वारका क्षेत्र में पानी की स्थिति को सुधारने के लिए इसे नांगलोई जल उपचार संयंत्र से जोडा दिया गया है। डीजेबी ने सभी दिल्लीवासियों से अपील किया है कि वे पेयजल का उपयोग ध्यान से करें ताकि पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

# जल मंत्री ने डीजेबी अधिकारियों के साथ मुनक नहर का किया निरीक्षण

नई दिल्ली,(ब्यूरो): दिल्ली में पानी किछत के मद्देनजर दिख्ली सरकार के जल मंत्री और दिख्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष कपिल मिश्रा ने डीजेबी सीईओ केशव चन्द्रा व अन्य अधिकारियों के साथ क्षतिग्रस्त मुनक नहर के कैरियर लाइन्ड चैनल (सी.एल.सी.) का और मंडोरा रेगुलेटर का निरीक्षण किया। हरियाणा में आंदोलन के दौरान कैरियर लाइन्ड चैनल को आन्दोलनकारियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था।

इस निरीक्षण दौरे में हरियाण सिंचाई विभाग के अधिकारियों से स्थल पर बातचीत के दौरान उन्हें बताया गया कि दरार को भरने तथा सी. एल. सी. में आपूर्ति बहाल करने में लगभग 15 दिन का समय लगेगा। उल्लेखनीय है कि जल उपचार संयंत्रों की जल आपूर्ति में निरंतर रुकावट से दिल्ली की जल आपूर्ति को स्थिति गंभीर बन गयी तथा स्थिति को नियंत्रण करने के लिए



डीजेबी द्वारा तेजी से प्रयास किये गये। डीजेबी के अनुसार मुनक नहर को ठीक करने के लिए दो भारी अर्थ मूविंग उपकरण चालकों सिहत दिल्ली से भेजे गये हैं जो हरियाणा विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन और निगरानी में मरम्मत का कार्य करेंगे। डीजेबी अधिकारियों ने बताया कि इंजीनियरों की टीम हरियाणा सिंचाई विभाग से मामले

पर विचार विमर्श करने तथा कम समय में परिणाम प्राप्त करने के लिए वहां मौजूद हैं।

जल मंत्री ने डीजेबी के सभी संबंधित अधिकारियों को हरियाणा सिंचाई विभाग से मिलकर संयुक्त प्रयास करने के निर्देश दिए हैं ताकि दिल्लीवासियों की सुविधा के लिए जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति को सामान्य किया जा सके।

# यमुना की सफाई को मशीनें पहुंचीं

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान संवाद

नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत यमना के सतही कचरे को साफ करने के लिए मिनी डेजिंग मशीन का ट्रायल हुआ। यह मशीन यमुना की सतह से एक फुट तक गहरे पानी को साफ करेगी। इससे पहले अहमदाबाद में साबरमती नदी पर इस मशीन का सफल प्रयोग हो चुका है। मुंबई से मथुरा और वृन्दावन के लिए ऐसी अलग-अलग दो मशीन मंगवाई गई हैं।

एक साल पहले केंद्र सरकार और तत्कालीन उप्र विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्री मनोज पांडे से स्थानीय यमना भक्तों

- यमुना की सतह से एक फुट तक गहरे पानी को साफ करेगी
- अहमदाबाद की साबरमती नदी पर इसका सफल प्रयोग हो चुका है

ने ड्रेजिंग मशीन की मांग की थी, ताकि यमुना जल की गंदगी को साफ किया जा सके। इस पर शासन ने नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत दो मिनी डेजिंग मशीन भेजी हैं। इनमें से एक मशीन मथुरा और दूसरी मशीन वन्दावन में यमना की सफाई करेगी। बंधवार को मथुरा पहुंची मिनी

डेजिंग मशीन का विश्राम घाट पर ट्रायल किया गया। मशीन के साथ आए इंजीनियरों के साथ विश्व सनातन धर्म रक्षक दल के संस्थापक-संरक्षक विपिन स्वामी ने विश्राम घाट पर ट्रायल सम्पन्न कराया। मुंबई से दो मिनी ड्रेजिंग मशीनें यहां भेजी गई हैं।

दूसरी मशीन वृंदावन में काम प्रारंभ करेगी। मिनी डेजिंग मशीन के यमुना जल की सफाई करते देख लोगों में काफी कौतहल देखने को मिला। मिनी ड्रेजिंग मशीन से यमुना की सतही सफाई प्रारंभ हो गई है। लोगों ने मांग की है कि जेसीबी लगाकर यमुना किनारे की सिल्ट हटवाएं।

# अपने पानी का इंतजाम करने का वक्त

## स्पेशल सीरीज

पांच दिन के पानी संकट से अब दिल्ली यह सोचने के लिए मजबूर हो गई है कि पानी की समस्या का हल ढूंढा जाए। कई ऐसे शहर हैं जिन्होंने अपने लिए पानी के खुद इंतजाम करने शुरू कर दिए हैं। लैटिन अमेरिका सहित अपने देश में भी कई शहर ऐसे हैं जहां बारिश के पानी को स्टोर करके संकट के दिनों में इस्तेमाल की योजना बनाई गईं और सफल भी हुई हैं। दिल्ली भी इस दिशा में कोई पहल कर सकती है? इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए हम शुरू कर रहे हैं यह खास सीरीज :

इस वक्त दिल्ली की आबादी करीब 2 करोड़ के आसपास पहुंच चुकी है। सभी साधन मिलाकर दिल्ली के पास केवल 900 एमीडी पानी है। इसमें से केवल 80 एमजीडी के आसपास ही दिल्ली का अपना पानी है जो जमीन से निकालकर साफ किया जाता है बाकी के पानी के लिए पूरी तरह से हरियाणा और यूपी पर निर्भर रहना पड़ता है। इस बार जाट आंदोलनकारियों ने मनक नहर डेमेज कर दी तो दिल्ली के पास 900 एमजीडी में से केवल 🏄 240 एमजीडी ही पानी रह 💐 गया। ऐसे में लोगों के पास ना नहाने के लिए पानी था ना पीने के लिए। क्या दिल्ली बारिश के पानी को बचाकर या फिर छोटे छोटे

क्या दिल्ला म बारिश के पानी को बचाकर या फिर छोटे छोटे डैम या स्टोरेज बनाकर इस समस्या का हल ढूंढा जा सकता है। कई ऐसे प्रोजेक्ट आए भी लेकिन आज तक इस समस्या का परमानेंट हल ढूंढने के लिए कोई काम नहीं किया गया।

यह सही बात है कि दिल्ली के पास अपना पानी नहीं है और यह भी तय है कि आने वाले दिनों में कोई भी राज्य दिल्ली को अपने हिस्से का पानी नहीं देगा। एक आकलन के मुताबिक 2021 तक दिल्ली की जनसंख्या 2 करोड़ 31 दिल्ली को खुद जुटाना होगा अपने लिए पानी

लाख से ज्यादा होने का अनुमान है।

ऐसे में दिल्ली वालों को 1380 एमजीडी की पानी की जरूरत होगी। यह पानी कहां से आएगा। दिल्ली के

लिए हिमाचल में रेणुका डैम बनाने का प्लान है। इसकी क्षमता 275 एमजीडी की है, लेकिन पर्यावरण क्लीयरेंस ना मिल पाने के कारण अभी तक इस पर काम शुरू नहीं हो पाया है।

दिल्ली का अपना ग्राउंड वॉटर खारा हो चुका है। ऐसे में अब यह सोचने की जरूरत है कि दिल्ली की प्यास बुझाने के लिए क्या उपाय किए जाएं।



# पानी आया, लेकिन संप-२5-२-१४ संप्लाई नॉर्मल नहीं

#### वरिष्ठ संवाददाता, नई दिल्ली

द्वारका प्लांट को छोड़कर बाकी सभी प्लांट में पानी का प्रोडक्शन शुरू हो गया है। इसके बावजूद दिल्ली में वॉटर प्रोडक्शन नॉर्मल लेवल तक नहीं पहुंच पाया है। साथ ही एक बार फिर से यमुना में अमोनिया का लेवल बढ़ गया है। इसका असर वजीराबाद और चंद्रावल प्लांट पर हो सकता है। इसलिए जल बोर्ड ने सेंट्रल दिल्ली और नॉर्थ दिल्ली के लोगों कहा है कि वह गुरुवार के लिए पानी बचा कर रखें, क्योंकि इन एरिया में पानी की कमी हो सकती है।

जल बोर्ड के चेयरमैन कपिल मिश्रा ने बताया कि दारका प्लांट को छोडकर सभी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी का

प्रोडक्शन शुरू हो गया है। लेकिन अभी मुनक से केवल 80 एमजीडी रॉ वॉटर आ रहा है, यह रॉ वॉटर मुनक के कच्चे नालें से लाया जा रहा है. इसलिए वेस्ट और सेंटल दिल्ली के कई इलाकों में केवल

80 एमजीडी पानी ही

पाइपलाइन से दिया जा पा रहा है।

से और पानी लाने के लिए को मजबूत चिंता की बात यह हो गई है कि बुधवार की करना होगा, अगर यह टूट गया तो और भी शाम को वजीराबाद तालाब में अमोनिया दिक्कत होगी। द्वारका में अभी प्लांट शरू का लेवल बढ़ गया है, जिसकी वजह से

#### जल संकट

- द्वारका प्लांट को छोड़कर बाकी सभी प्लाट में पानी का प्रोडक्शन शुरू
- 🗷 अभी मुनक के कच्चे नाले से केवल 80 एमजीडी रॉ वॉटर आ रहा है

नहीं हो पाएगा, क्योंकि यह डायरेक्ट मुनक से कनेक्ट है। लेकिन गुरुवार को द्वारका और जनकपुरी इलाके में पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। यहां एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई होगी।

जाट आंदोलन के बावजूद दो प्लांट पहले से ही पूरा प्रोडक्शन कर रहा था. जबकि तीन प्लांट वजीराबाद,

> चंदावल और ओखला शुरू हो गया है। मुनक के कच्चे नाले से आ रहे एमजीडी 80 पानी से तीन चलाया रहा है. लेकिन अभी भी दिल्ली में नॉर्मल पानी के प्रोडक्शन 900 एमजीडी से काफी कम है,

जल बोर्ड का कहना है कि कच्चे नाले इसलिए पानी की किल्लत बनी हुई है।



मुनक के कच्चे नाले को मजबूत करने की कोशिश में है जल बोर्ड

एक बार फिर पानी की कमी का खतरा के ऑर्डर दिए हैं ताकि दिल्लीवासियों की हो गया है।

दूसरी ओर वॉटर मिनिस्टर कपिल मिश्रो, जल बोर्ड के सीईओ केशव चंद्रा और मेंबर आरएस त्यागी ने करियर लाइन्ड चैनल (सीएलसी) और मंडोरा रेगुलेटर में हुए डैमेज का निरीक्षण करने के बाद कहा है कि डैमेज को ठीक करके सीएलसी के जरिए पानी सप्लाई में अभी और 15 दिन का समय लगेगा। इसलिए फिलहाल दिल्ली के ऊपर से पानी का संकट खत्म नहीं हुआ है। कपिल मिश्रा ने कहा है कि द्वारका प्लांट को शुरू करने के लिए काम किया जा रहा है, गुरुवार को उस इलाके में भी पानी की सप्लाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल बोर्ड के सभी संबंधित अधिकारियों को हरियाणा सिंचाई विभाग से मिलकर संयुक्त प्रयास करने सुविधा के लिए जल्द से जल्द आपूर्ति को सामान्य किया जा सके ।

अभी भी कई इलाकों में पानी की दिक्कत है। इन इलाकों में वसंत विहार, वसंत एन्कलेव, वेस्टएंड, आनंद निकेतन, शांति निकतेन, लाडो सराय, साध नगर, एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इंडिया, पालम, द्वारका, राजनगर, महावीर नगर -I, II एवं III. इन्दिरा पार्क, सीतापुरी, उत्तम नगर ग्रुप ऑफ कालोनी, डाबरी, मंशाराम पार्क, मटियाला, बपरोला, मधु विहार, जनकपुरी, विकासपुरी, लाजवंती गार्डन, नारायणा, इन्द्रापुरी, केशोपुर एवं किराड़ी आदि क्षेत्र शामिल हैं। द्वारका क्षेत्र में पानी की स्थिति को सुधारने के लिए इसे नांगलोई जल उपचार संयंत्र से जोड दिया गया है ।

## हरियाणा से पानी

सप्लाई बहाल

प्रस, चंडीगढ़ : पिछले दिनों जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान हुए उपद्रव के दौरान जिला सोनीपत के गढ़ी बिंदरौली गांव के पास सीएलसी चैनल

नहर के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद दिल्ली को पानी की पूरी सप्लाई बहाल कर दी गई है। दिल्ली को फिलहाल

खुबडू हैड से 700 क्यूसिक पानी दिया जा रहा है। इसके अलावां दिल्ली के वजीराबाद जल सयंत्र के लिए सीधे यमुना नदी से पानी की सप्लाई की

जा<sup>ँ</sup>रही है। उधर क्षतिग्रस्त किए गए नहर के हिस्से को सिंचाई विभाग तेजी से ठीक करने में जुटा है और अगले 15 दिनों में यह काम पूरा हो जाएगा। पिछले दिनों हुए उपद्रव के दौरान लोगों ने गढ़ी बिंदरौली गांव के पास ड्रेन

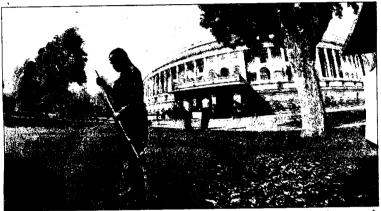
नंबर आठ की क्रॉसिंग के पास (256 आरडी) के पास से क्षतिग्रस्त कर दिया था। इससे पहले यहां नहर के गेट तोड़ दिए गए थे। इस नहर के जरिए दिल्ली के विभिन्न जल संयंत्रों को पेयजल की सप्लाई की जाती है। इसके बाद सेना

को यहां तैनात किया गया और अब फिलहाल सेना की निगरानी में नगर की मरम्मत का काम किया जा रहा है। सिंचाई विभाग की दिल्ली जल मंडल सेवाओं के एक्सईएन परमजीत सिहाग ने बताया कि फिलहाल दिल्ली के पूरे

700 क्यूसिक की पेयजल सप्लाई शुरू कर दी गई है। यह सप्लाई साथ में स्थित नहर और सीधे यमना के जरिए की जा रही है।

# बढ़ने लगी गमी

## फरवरी में ही टेंपरेचर 32.2 डिग्री पर



2006

में 26

फरवरी को

34.1 डिग्री

था

नगर संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में लगातार काफी ज्यादा गर्मी पड़ रही है। फरवरी महीने में तापमान काफी ज्यादा दर्ज हो रहा है। बुधवार को मैक्सिमम टेंपरेचर ने पिछले

तीन बरसों का रिकॉर्ड तोड दिया है। मैक्सिमम टेंपरेचर नॉर्मल से 5 डिग्री ज्यादा के साथ 30 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग के आंकड़ों के मताबिक इससे पहले फरवरी महीने में मैक्सिमम टेंपरेचर साल

2013 में 28 तारीख को 28.4 डिग्री. 2014 में 4 तारीख को 27.8 डिग्री और

2015 में 20 तारीख को 29.3 डिग्री दर्ज हुआ था। पिछले हफ्ते ही 18 फरवरी के दिन मैक्सिमम टेंपरेचर 29.8 डिग्री दर्ज हुआ था। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा है। फरवरी महीने में साल 2006 में 26 तारीख को मैक्सिमम टेंपरेचर 34.1 दर्ज हुआ था। यह अभी तक सबसे ज्यादा मैक्सिमम टेंपरेचर है। वहीं पालम में मैक्सिमम टेंपरेचर 32.2 डिग्री दर्ज हुआ।

बुधवार को दिन भर धूप छाई रही। मिनिमम

टेंपरेचर सामान्य के साथ 11 डिग्री दर्ज हुआ। हवा में मैक्सिमम ह्युमिडिटी 90 पर्सेट दर्ज हुई। मौसम विभाग ने अपने बुलेटिन में कहा कि गुरुवार को बादल छा सकते हैं। सुबह के वक्त हल्की धुंध छाने की उम्मीद है। मैक्सिमम टेंपरेचर 30 डिग्री और मिनिमम

टेंपरेचर 12 डिग्री रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले दो दिनों तक दिल्ली के साथ उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में मैक्सिमम टेंपरेचर न्यूनतम तापमान कोई बदलाव नहीं होगा। तापमान भी बढ सकता है। स्काइमेट के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने कहा कि दिल्ली से सर्दियों का

सीजन जा चुका है। आने वाले दिनों में तापमान और भी बढ़ेगा। 26 फरवरी के बाद से मिनिमम टेंपरेचर भी बढ़ना शुरू हो जाएगा। आने वाले हफ्ते में मैक्सिमम टेंपरेचर 29 से 30 डिग्री रहने की संभावना है। अभी दिल्ली में सुबह और रात के वक्त जो हल्की ठंड की स्थिति बनी हुई है। पलावत ने कहा कि अल-नीनो की वजह से वेस्टर्न डिस्टरबेंस का प्रभाव कम रहा। इस सीजन में ठंड भी कम ही दिन पड़ी है। वहीं फरवरी में मैदानी इलाकों में टेंपरेचर ज्यादा रहा।